INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान CET

Senior Secondary Level - (12th)

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग

भाग - 2

भारत और राजस्थान का भूगोल तथा राजव्यवस्था

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**राजस्थान CET (सीनियर सेकेंडरी स्तर)** को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर (RSSB)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा **"राजस्थान CET (सीनियर सेकेंडरी स्तर)" की** परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें **/**

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती हैं / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशक:

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - https://wa.link/b34h1p

Online Order करें - https://rb.gy/sx59yb

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

भारत का भूगोल		
क्र.सं.	अध्याय	पेज
1.	सामान्य परिचय	1
2.	भारत की स्थिति एवं विस्तार	3
3.	प्रमुख स्थलाकृतियाँ	9
4.	प्रमुख नदियाँ एवं झीलें	31
5.	वन एवं वन्य जीव जंतु एवं अभ्यारण्य	44
	राजस्थान का भूगोल	
1.	भूगर्भिक संरचना एवं भू-आकृतिक प्रदेश	53
2.	जलवायु दशाएं, मानसून तंत्र एवं जलवायु प्रदेश	76
3.	प्राकृतिक वनस्पति, वन्य जीव-जंतु एवं अभयारण्य	83
4.	मृदाएँ	91
5.	नदियाँ, झीलें एवं बाँध	93
6.	राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन खनिज सम्पदा	112
7.	पशु सम्पदा	119
8.	जनसंख्या-वृद्धि, घनत्व, साक्षरता एवं लिंगानुपात	127
9.	प्रमुख जनजातियाँ	131
10.	राजस्थान में पर्यटन	134
	भारतीय संविधान	
1.	भारतीय संविधान की प्रकृति	137

2.	प्रस्तावना (उद्देशिका)	142
3.	मौलिक अधिकार	145
4.	राज्य के नीति निदेशक तत्व (सिद्धांत)	152
5.	मौलिक कर्तव्य	154
6.	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति	155
7.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	160
	राज्य की राजनीतिक व्यवस्था	
1.	परिचय	172
2.	मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद	178
3.	राज्य विधानसभा	184
4.	उच्च न्यायालय	191
5.	राजस्थान लोक सेवा आयोग	198
6.	लोकायुक्त	200
7.	राज्य निर्वाचन आयोग	203
8.	राज्य सूचना आयोग	204
9.	राज्य मानवाधिकार आयोग	207
10.	राज्य सचिवालय और मुख्य सचिव	209
11.	जिला प्रशासन	213
12.	स्थानीय स्वशासन एवं पंचायती राज संस्था	217

अध्याय – 2

भारत की स्थिति व विस्तार

- आर्यों की भरत नाम की शाखा अथवा महामानव भारत के नाम पर हमारे देश का नामकरण भारत हुआ ।
- प्राचीन काल में आर्यों की भूमि के कारण यह आर्यावर्त के नाम से जाना जाता था ।
- ईरानियों ने सिन्धु नदी के तटीय निवासियों को हिन्दू एवं इस भू - भाग को हिन्दुस्तान का नाम दिया ।
- रोम निवासियों ने सिन्धु नदी को इण्डस तथा यूनानियों ने इण्डोस व इस देश को इण्डिया कहा । यही देश विश्व में आज भारत के नाम से विख्यात है ।

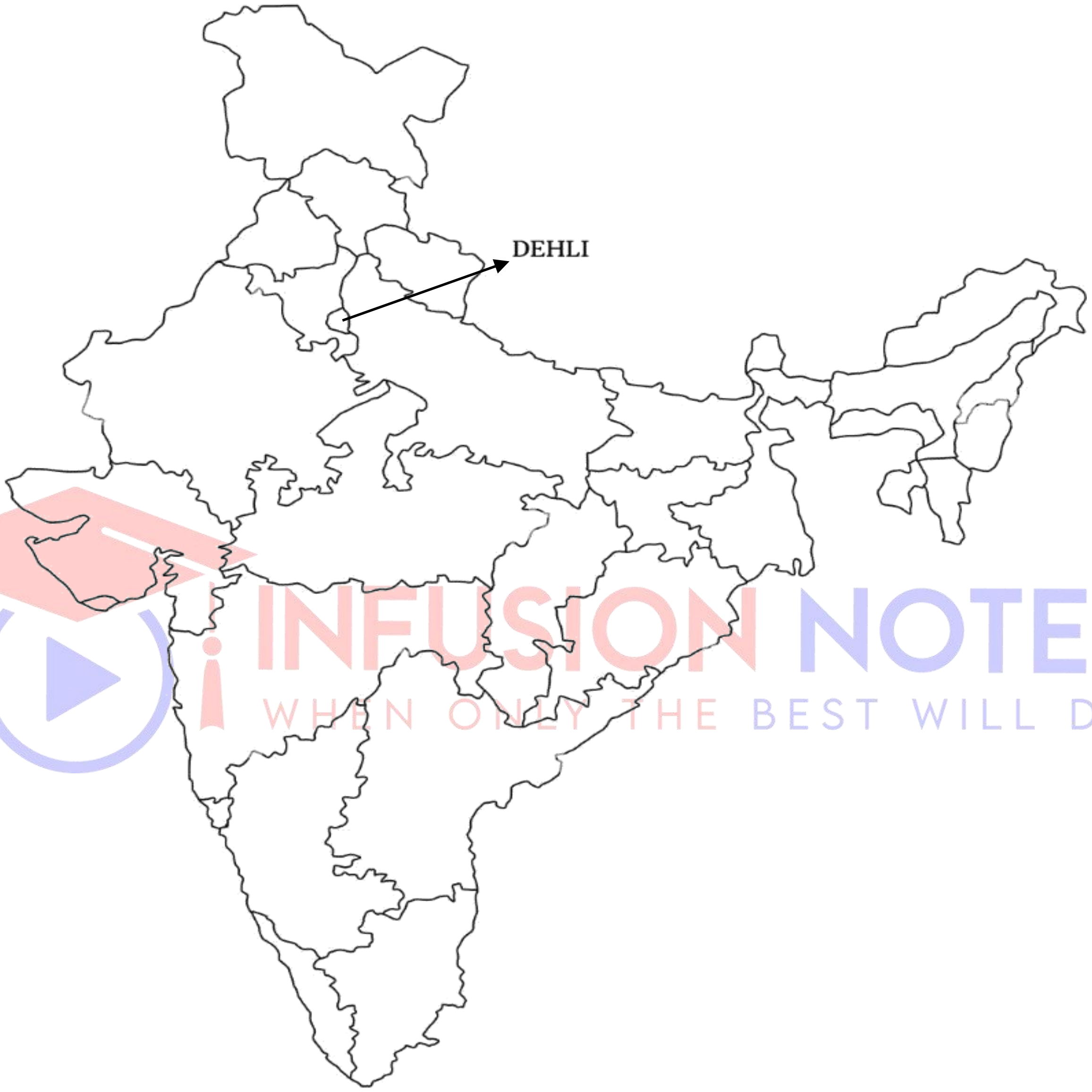

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है तथा तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।

- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. (1269219.34 वर्ग मील) है।
- कर्क रेखा अर्थात् 23½ उत्तरी अक्षांश हमारे देश के लगभग मध्य से गुजरती है यह रेखा भारत को दो भागों में विभक्त करती है (1) उत्तरी भारत, जो शीतोष्ण कटिबन्ध में फैला है तथा (2) दक्षिणी भारत, जिसका विस्तार उष्ण कटिबन्ध है।

कर्क रेखा भारत के आठ राज्यों क्रमशः गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, प. बंगाल, त्रिपुरा व मिजोरम है।

NOTE- राजस्थान की राजधानी जयपुर, त्रिपुरा की राजधानी अगरतल्ला व मिजोरम की राजधानी

आइजोल कर्क रेखा के उत्तर में तथा शेष राज्यों की राजधानियाँ दक्षिण में स्थित हैं।

NOTE – मणिपुर कर्क रेखा के सर्वाधिक उत्तर में स्थित है ।

प्रश्नः- निम्न में से कौन सा भारत का राज्य कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है?

(A) त्रिपुरा **(B) मणिपुर**

(C) मिजोरम **(D) झारखण्ड**

उत्तर :- (2)

NOTE- कर्क रेखा राजस्थान से न्यूनतम व मध्यप्रदेश से सर्वाधिक गुजरती है।

- भारत सम्पूर्ण विश्व का लगभग 1/46 वाँ भाग है।
- क्षेत्रफल के अनुसार रूस, कनाडा, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राज़ील व ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत का विश्व में 7वाँ स्थान है ।
- यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है।
- भारत का आकार जापान से नौ गुना तथा इंग्लैण्ड से 14 गुना बड़ा है ।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% (वर्ष 2011 के अनुसार) जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में पाकिस्तान एवं अरब सागर हैं।
- भारत को श्रीलंका से अलग करने वाला समुद्री क्षेत्र मन्नार की खाड़ी (Gulf of Mannar) तथा पाक जलडमरूमध्य (Palk Strait) है।
- प्रायद्वीप भारत (मुख्य भूमि) का दक्षिणतम बिन्दु - कन्याकुमारी के पास केप कोमोरिन (तमिलनाडु) है।
- भारत का सुदूर दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार में है)।
- भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु- इंदिरा कॉल (लद्दाख) है ।
- भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से लिया गया है। जिसका देशान्तर 82°30 पूर्वी देशान्तर है। (वर्तमान में मिर्जापुर) यह ग्रीनविच माध्य समय (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है। यह मानक समय रेखा भारत के 5 राज्यों क्रमशः उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा व आंध्रप्रदेश है।
- कर्क रेखा व मानक रेखा छत्तीसगढ़ राज्य में एक दुसरे को काटती है।
- भारत की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिमी तक 2933 किमी. है।
- भारत की समुद्री सीमा मुख्य भूमि, लक्षद्वीप और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की तटरेखा की कुल लम्बाई 7,516.6 कि.मी है जबकि स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।

- भारत की तटीय / समुद्री सीमा = तट रेखा की लम्बाई 7516.6 मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।
- कुल राज्य = 9 [i. पश्चिमी तट के राज्य- गुजरात (राज्यों में सबसे लंबी तट रेखा), महाराष्ट्र, गोवा (राज्यों में सबसे छोटी तट रेखा), कर्नाटक व केरल ii. पूर्वी तट के राज्य प. बंगाल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु]
- कुल केंद्र शासित प्रदेश= अंडमान निकोबार (सर्वाधिक), लक्षद्वीप, दमन व दीव तथा (न्यूनतम) पुद्दुचेरी

- भारत के 16 राज्य व 2 केंद्र शासित प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाते है ।

देश की चतुर्दिक सीमा बिन्दु

- दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप)
- उत्तरी बिन्दु- इन्दिरा कॉल (लद्दाख)
- पश्चिमी बिन्दु- गोहर माता (गुजरात)
- पूर्वी बिन्दु- किबिथु (अरुणाचल प्रदेश)
- मुख्य भूमि की दक्षिणी सीमा- कन्याकुमारी के पास केप कोमोरिन (तमिलनाडु)

स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य

पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख
अफगानिस्तान (1)	लद्दाख
चीन (5)	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
भूटान (4)	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
बांग्लादेश (5)	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
म्यांमार (4)	अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

पड़ोसी देशों के मध्य सीमा विस्तार

भारत - बांग्लादेश सीमा	4096.7 किमी.
भारत-चीन	3488 किमी.

मछली पकड़ने वाले क्षेत्रों में से भी एक है जिसके कारण ये मछुआरों के लिए भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। साथ ही इस क्षेत्र के समुद्र के नीचे तेल और गैस के विशाल भंडार मौजूद होने के कारण भी इस क्षेत्र का अपना अलग महत्त्व है।

सियाचिन ग्लेशियर

- सियाचिन ग्लेशियर हिमालय में पूर्वी काराकोरम रेंज में स्थित है, जो प्वाइंट NJ9842 के उत्तर - पूर्व में है, यहाँ भारत और पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा समाप्त होती है। यह दुनिया के गैर - ध्रुवीय क्षेत्रों का दूसरा सबसे लंबा ग्लेशियर है।
- सियाचिन ग्लेशियर दुनिया का सबसे ऊँचा युद्ध क्षेत्र है। पूरा सियाचिन ग्लेशियर वर्ष 1984 (ऑपरेशन मेघदूत) में भारत के प्रशासनिक नियंत्रण में आ गया था।

सिंधु - नदी जल संधि 1960

- भारत से पाकिस्तान जाने वाले इन छः नदियां - झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलज को लेकर 19 सितंबर, 1960 को विश्व बैंक की सहायता से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु - नदी जल संधि समझौता हुआ। समझौते के मुताबिक़ 3 पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास और सतलज) का 80% पानी भारत को तथा 20% पानी पाकिस्तान को जबकि बाकी 3 पश्चिमी नदियों (झेलम, चिनाब, सिंधु) का 80% पानी पाकिस्तान को तथा 20% पानी भारत को देना तय हुआ था।
- सिंधु - नदी जल समझौता 12 जनवरी, 1961 से लागू हुआ था। इस संधि पर भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति अयूब ख़ान ने रावलपिंडी में दस्तख़त किये थे।

ताशकंद समझौता 1966

- भारत और पाकिस्तान के बीच 10 जनवरी, 1966 को हुआ एक शांति समझौता था। ये समझौता 1965 के भारत पाकिस्तान युद्ध के बाद हुआ था। ताशकंद समझौते के अनुसार ये तय हुआ था कि भारत और पाकिस्तान अपनी शक्ति का प्रयोग नहीं करेंगे और अपने विवादों का शान्तिपूर्ण तरीके से निपटारा करेंगे। ये समझौता भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अयूब खान के बीच हुआ था।

शिमला समझौता 1972

- वर्ष 1971 में हुए भारत - पाकिस्तान युद्ध के बाद शिमला समझौता हुआ था। ये समझौता 2 जुलाई, 1972 को हुआ था। दरअसल 1971 के भारत - पाकिस्तान युद्ध के दौरान क़रीब 90 हज़ार सैनिकों को भारत ने बंदी बनाया था और पाकिस्तान के लम्बे भूभाग पर भारत ने कब्ज़ा भी कर लिया था। इस सब के परिणामस्वरुप तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फ़िकार अली भुट्टो के बीच शिमला समझौता हुआ था।

4. भारत – नेपाल

- भारत के 5 राज्य उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश (सर्वाधिक), बिहार, सिक्किम (न्यूनतम) व प. बंगाल नेपाल के साथ सीमा बनाते हैं।

कालापानी व सुस्ता क्षेत्र विवाद

- नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, सुगौली संधि (वर्ष 1816) के तहत काली (महाकाली) नदी के पूर्व के सभी क्षेत्र, जिनमें लिम्पियाधुरा (Limpiyadhura), कालापानी (Kalapani) और लिपुलेख (Lipulekh) शामिल हैं, नेपाल का अभिन्न अंग हैं। भारत के अनुसार, यह क्षेत्र उत्तराखंड के पिथौरागढ़ ज़िले का हिस्सा है जबकि नेपाल इस क्षेत्र को धारचूला ज़िले का हिस्सा मानता है।
- जब भारत-नेपाल सीमा का 98% सीमांकन किया गया था, तो दो क्षेत्रों- सुस्ता और कालापानी में यह कार्य अपूर्ण रहा।
- वर्ष 2019 में नेपाल ने एक नया राजनीतिक मानचित्र जारी करते हुए उत्तराखंड के कालापानी, लिंपियाधुरा एवं लिपुलेख और बिहार के पश्चिमी चंपारण ज़िले के सुस्ता क्षेत्र पर अपना दावा जताया।

5. भारत – म्यांमार

- भारत के 4 राज्य अरुणाचल प्रदेश (सर्वाधिक), नागालैण्ड, मणिपुर व मिजोरम के साथ सीमा बनाते हैं।

रोहिंग्या

- रोहिंग्या म्यांमार के उत्तर में स्थित रखाइन प्रांत में निवास करने वाली एक जाति है जिसे बौद्धों द्वारा समर्थित सुरक्षा बल रोहिंग्याओं को प्रताड़ित करते हैं। इन अभियानों में अब तक कम-से-कम 1000 लोग मारे जा चुके हैं और तीन लाख से अधिक लोग अपने घरों से बेदखल होकर देश छोड़कर भागने के लिये मजबूर हो गए।

6. भारत – भूटान

- भारत के 4 राज्य सिक्किम (न्यूनतम), प. बंगाल, असम (सर्वाधिक) व अरुणाचल प्रदेश भूटान के साथ सीमा बनाते हैं।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.41% है । जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से गोवा भारत का सबसे छोटा राज्य है।

शीर्ष पाँच क्षेत्रफल वाले राज्य

राज्य	क्षेत्रफल वर्ग किमी.
राजस्थान	342239
मध्यप्रदेश	308245
महाराष्ट्र	307713
उत्तर प्रदेश	240928
गुजरात	196024

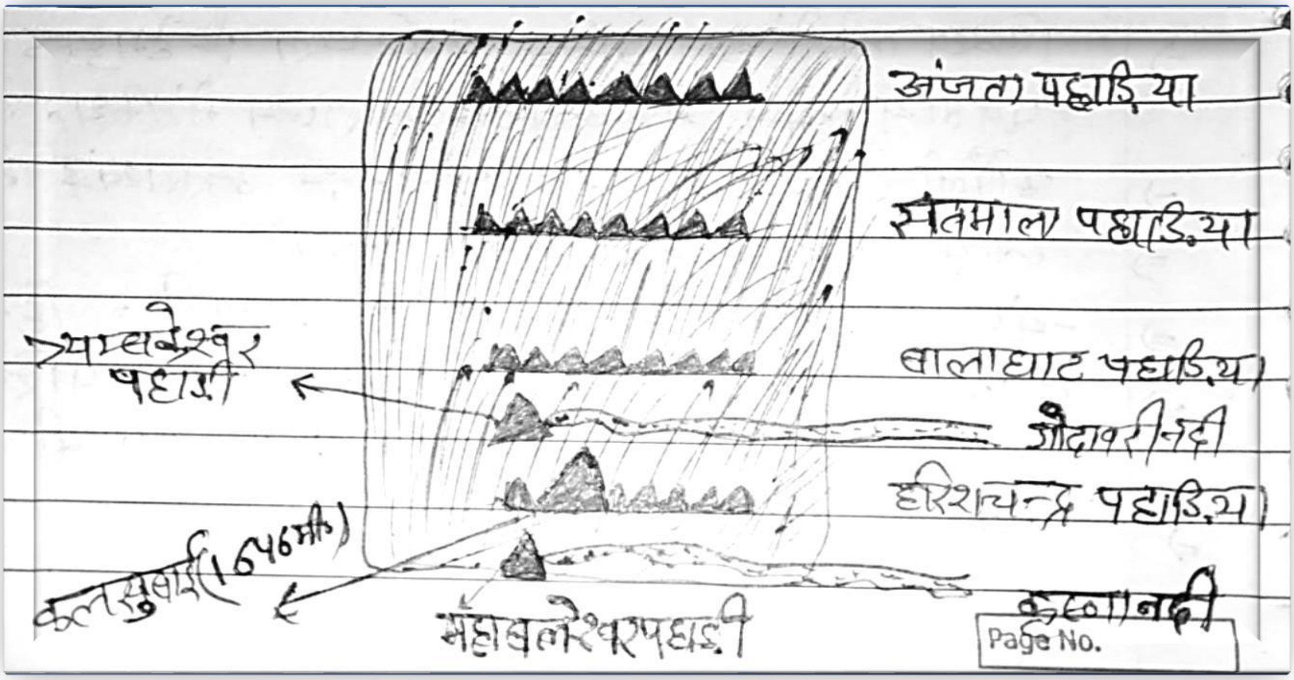

मेघालय या शिलांग का पठार –

- यह पठार प्रायद्वीपीय पठार का विस्तार है। इस पठारी भाग पर गारो खासी जयंतिया जनजाति निवास करती है इस कारण यहाँ पर स्थित तीन पहाड़ियों के नाम भी गारो, खासी, जयन्तिया है।
- खांसी की पहाड़ियों पर दक्षिण दिशा में विश्व का सर्वाधिक वर्षा प्राप्ति वाला स्थल मोसिनराम स्थित है। (कारण-खांसी की पहाड़ियों का शीर्ष भाग मेज के समान समतल व कीपनुमा है।) इसके निकट ही चेरापूंजी स्थित है।
- मेघालय के पठार की सर्वोच्च पर्वत चोटी नोकरेक (1412मी.) गारों पहाड़ी पर स्थित है।
- **मालदा गैप** -मेघालय के पठार को प्रायद्वीपीय भारत से अलग करता है।
- इसके उत्तर दिशा में कार्बी एलोंग का पठार (असम) स्थित है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

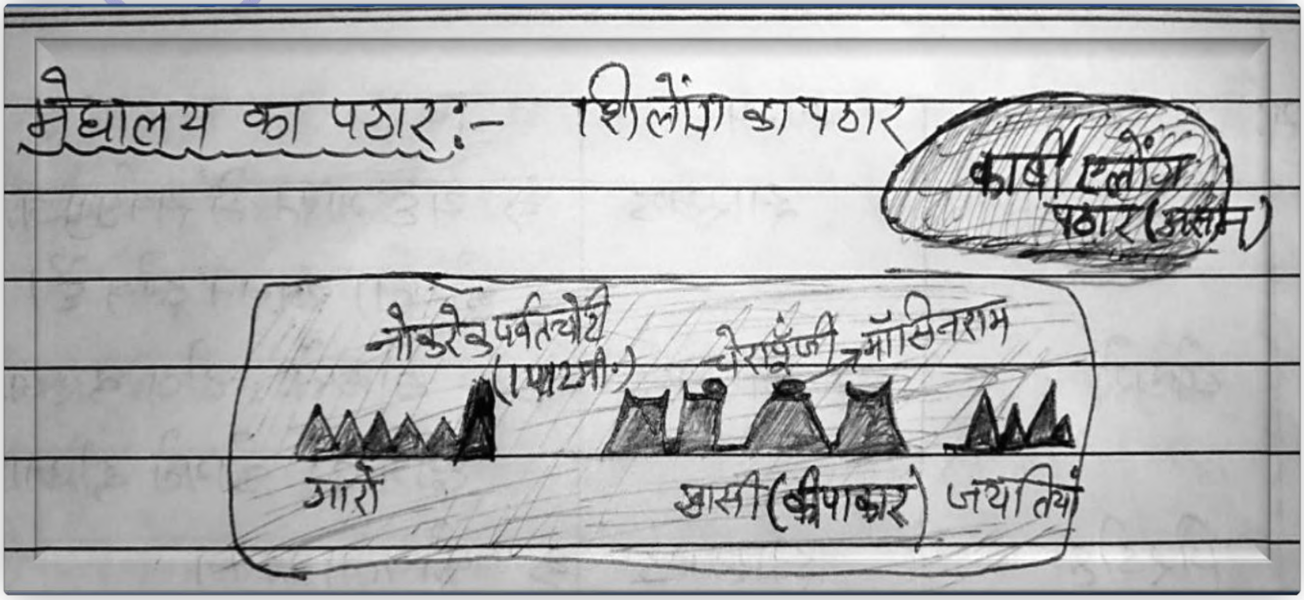

प्रश्न :- भारत का सबसे अधिक विस्तृत भू-आकृतिक प्रदेश है –

(A) दक्षिण का पठार **(B) उत्तरी मैदान**
(C) उत्तरी पर्वत **(D) तटीय मैदान**

उत्तर :- (1)

विंध्यांचल पर्वत-

- यह पर्वत 5 राज्यों में फैला है। (विस्तार लगभग 1200किमी. औसत ऊँचाई- 500-600 मी.)
- जिनमें गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, झारखण्ड व बिहार हैं।

- यह पर्वत लाल बलुआ पत्थर व चुना पत्थर से निर्मित परतदार/ अवसादी चट्टानों से निर्मित है।
- विंध्यांचल पर्वत की प्रमुख पहाड़ियों में भारनेर, कैमूर व पारसनाथ है।

सतपुड़ा पर्वत-

- यह पर्वत 4 राज्यों में फैला है। (विस्तार लगभग 900किमी. औसत ऊँचाई- 700-800 मी.)
- जिनमें गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ है।
- इस पर्वत का निर्माण कठोर ग्रेनाइट व नीस चट्टानों से हुआ है।
- सतपुड़ा पर्वत की प्रमुख पहाड़ियों में राजपीपला, गवालीगढ़, महादेव व मैकाल है।
- महादेव पहाड़ियों पर सतपुड़ा पर्वत की सर्वोच्च पर्वत चोटी धुपगढ़(1350मी.) मध्यप्रदेश राज्य में स्थित है तथा इसके निकट ही मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध हिल स्टेशन पंचमढ़ी स्थित है ।
- मैकाल पहाड़ियों की अमरकंटक पर्वत चोटी से नर्मदा व सोन नदियों का उद्गम होता है ये दोनों नदियाँ एक दुसरे के विपरीत दिशा में बहती है ।
- नर्मदा नदी विंध्यांचल पर्वत व सतपुड़ा पर्वत के मध्य भ्रंश घाटी (RIFTVALLEY) का निर्माण करती है ।

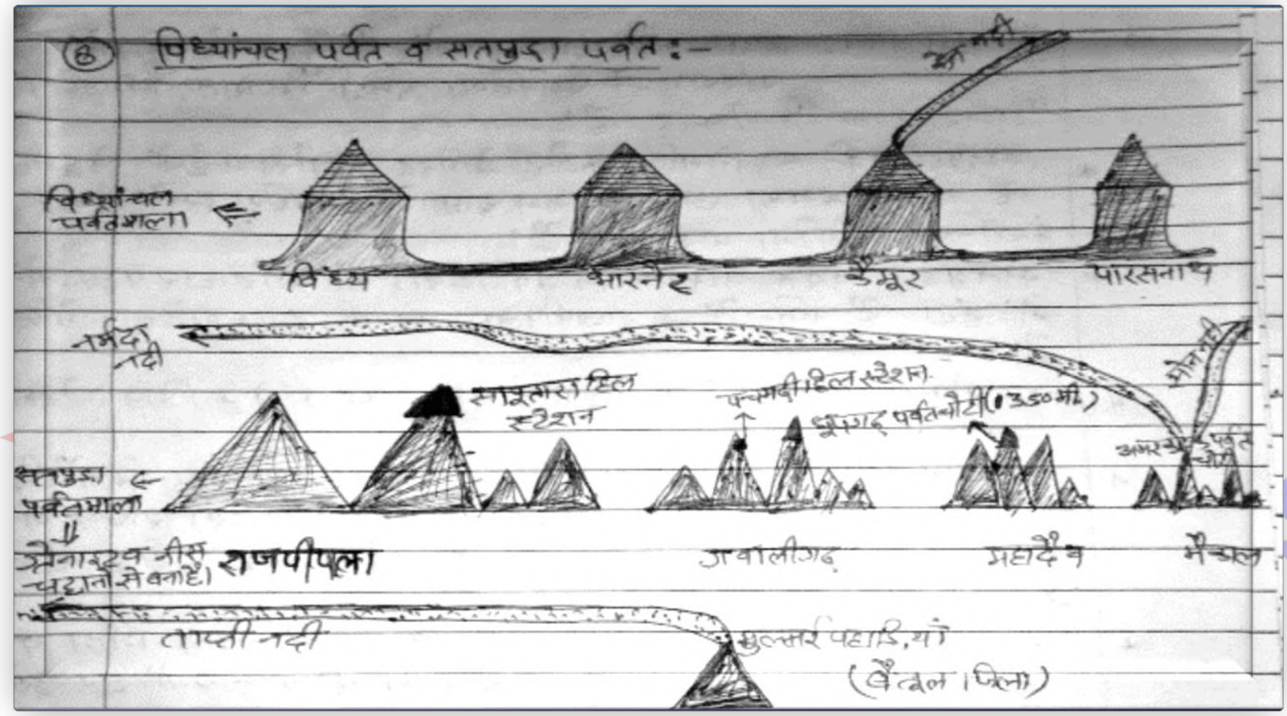

पश्चिमी घाट : -

- कुल लंबाई – 1600 किमी.
- औसत ऊँचाई – 1200मी.
- यह भारत की सबसे लंबी पर्वतमाला है ।
- विशेषता

(i) पश्चिमी घाट का उत्तरी भाग कम चौड़ाई में है जबकि दक्षिणी भाग अधिक चौड़ाई में है ।

(ii) पश्चिमी घाट के पश्चिमी भाग में अधिक वर्षा होने के कारण यहाँ सर्वाधिक जैव विविधता मिलती है जबकि पश्चिमी घाट का पूर्वी भाग वृष्टि छाया प्रदेश में आता है ।

(iii) इसके पश्चिमी भाग का ढाल तीव्र है जबकि पूर्वी भाग का ढाल मन्द है ।

(iv) इसको सहयाद्रि भी कहते हैं । तथा इसे तीन भागों में विभाजित करते हैं

प्रश्न:- भारत में निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र जैव विविधता तप्त स्थल है ?

(A) सुंदरबन **(B) पश्चिमी घाट**

(C) पूर्वी घाट **(D) गंगा के मैदान**

उत्तर :- (2)

(A) उत्तरी सहयाद्रि : - विस्तार - ताप्ती नदी से 16° उत्तरी अक्षांश तक ।

प्रमुख चोटियाँ कलसुबाई - 1646मी., सलहर -1567मी., महाबलेश्वर -1438मी. यह सभी महाराष्ट्र में स्थित है ।

(B) मध्य सहयाद्रि : - विस्तार - 16 ° 3' अक्षांश से नीलगिरी तक राज्य- गोवा, कर्नाटक

प्रमुख चोटियाँ कुद्रेमुख 1892 मी. पुष्पागिरि- 1714मी. यह सभी कर्नाटक में स्थित है ।

(C) दक्षिणी सहयाद्रि : -

विस्तार - नीलगिरी - कन्याकुमारी

राज्य - केरल, तमिलनाडु

प्रायद्वीपीय पठार का महत्त्व

- पठार के अपक्षय व अपरदन से काली मिट्टी का विकास हुआ है,जो कपास के खेती के लिए उपयुक्त होता है।
- पश्चिमी घाट पर अधिक वर्षा वाले समतल उच्च भागों पर लैटेराइट मिट्टी का विकास हुआ हैं जिन पर चाय कॉफ़ी मसाला की कृषि होती है।
- पश्चिमी घाट पर अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में सदाहरित वन पाए जाते है।
- प्रायद्वीपीय पठार भारत के अधिकांश खनिज संसाधनों की पूर्ति करता है।
- यहाँ की भू-गर्भिक संरचना सोना ताँबा लौहा कोयला यूरोनियम आदि खनिजों से आबाद है।

- **द्वीप**

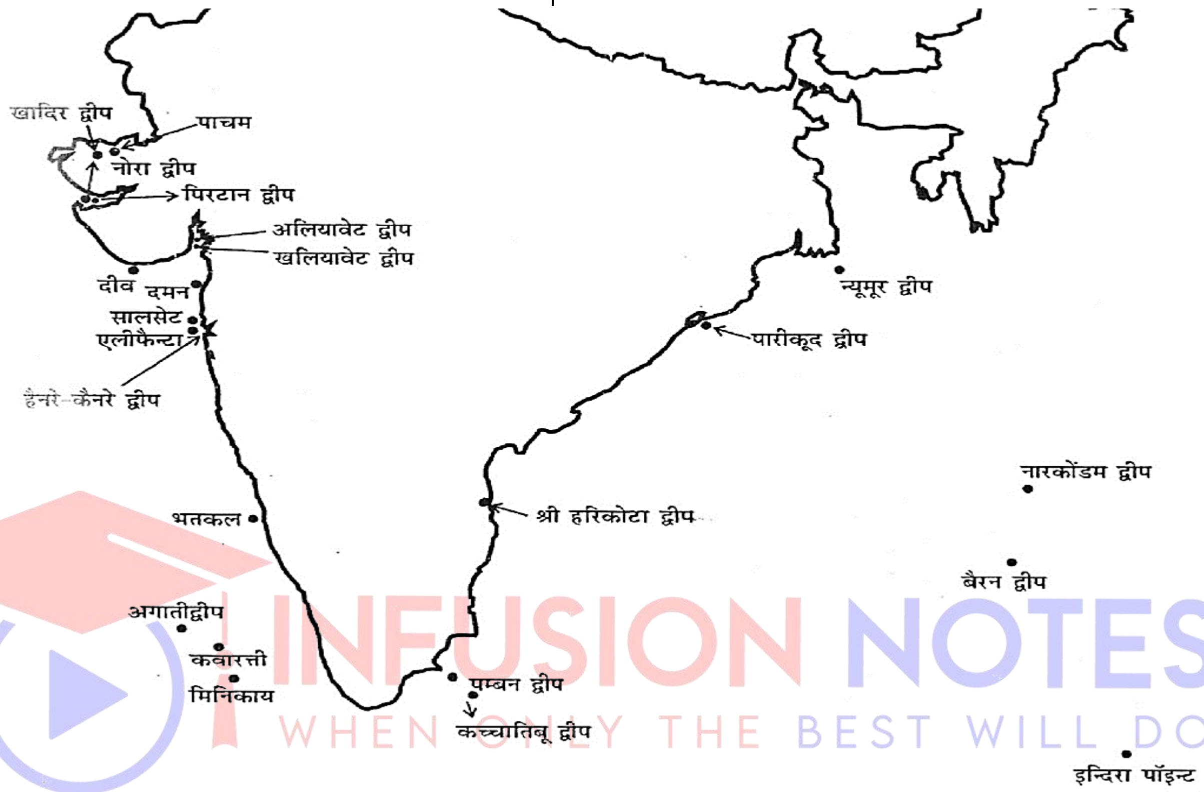

- भारत में सबसे लंबी तट रेखा (Coast line) गुजरात राज्य की है।

भारतीय सीमा में निम्नलिखित द्वीप समूह शामिल हैं-

द्वीपीय क्षेत्र

बंगाल की खाड़ी के द्वीप

1. अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह
2. न्यू मुर द्वीप
3. सागर द्वीप
4. व्हीलर द्वीप (कलाम द्वीप)
5. श्री हरिकोटा द्वीप
6. पंबन द्वीप
7. कच्छातिबु द्वीप

अरब सागर के द्वीप

1. पिरोटन द्वीप
2. दीव
3. बसीन
4. अलियाबेट
5. खादियाबेट
6. मुंबई हाई
7. हेनरे
8. केनरे
9. बुचर
10. भटकल
11. लक्षद्वीप

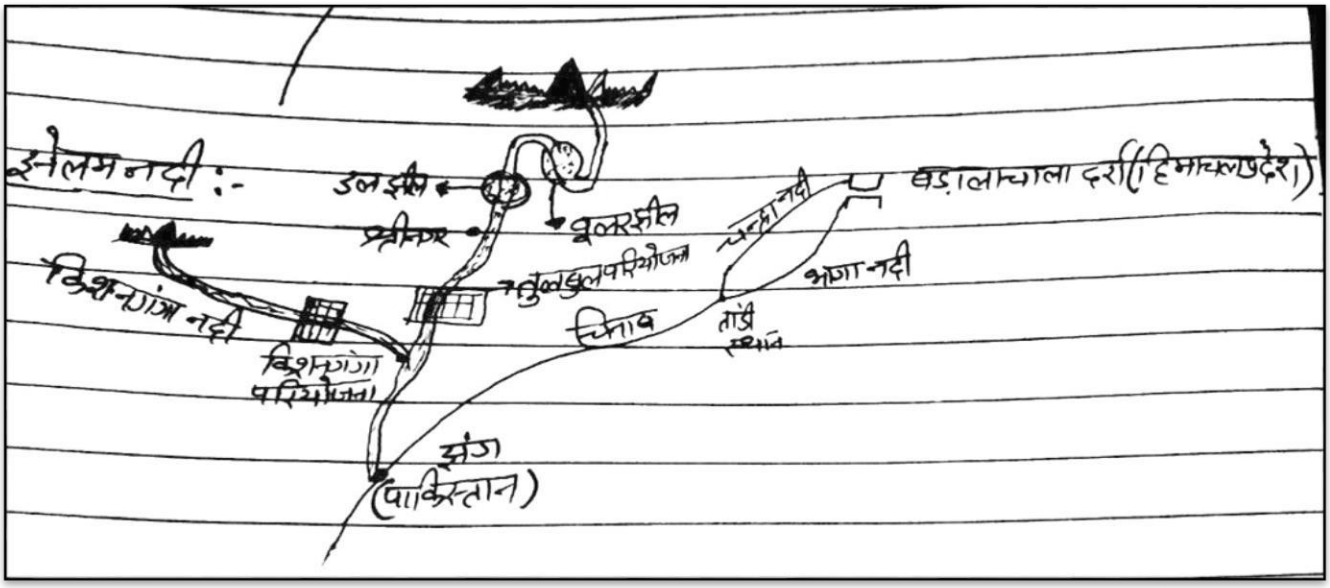

- यह सिन्धु की सहायक नदी हैं, जो कश्मीर घाटी के दक्षिण - पूर्वी भाग में पीरपंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग के निकट शेषनाग झरने से निकलती हैं ।
- प्रवाह क्षेत्र- जम्मू कश्मीर
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वुलर झील से बहते हुए एक तंग व गहरे महाखण्ड से गुजरती हैं । पाकिस्तान में झंग के निकट यह चिनाब नदी से मिलती है ।
- इस नदी पर जम्मू कश्मीर में तुलबुल परियोजना बनी हुई है ।
- इसकी प्रमुख सहायक नदी ''किशनगंगा'' है जिस पर जम्मू कश्मीर में किशनगंगा परियोजना का निर्माण किया गया है ।

गंगा नदी तंत्र

गंगा नदी

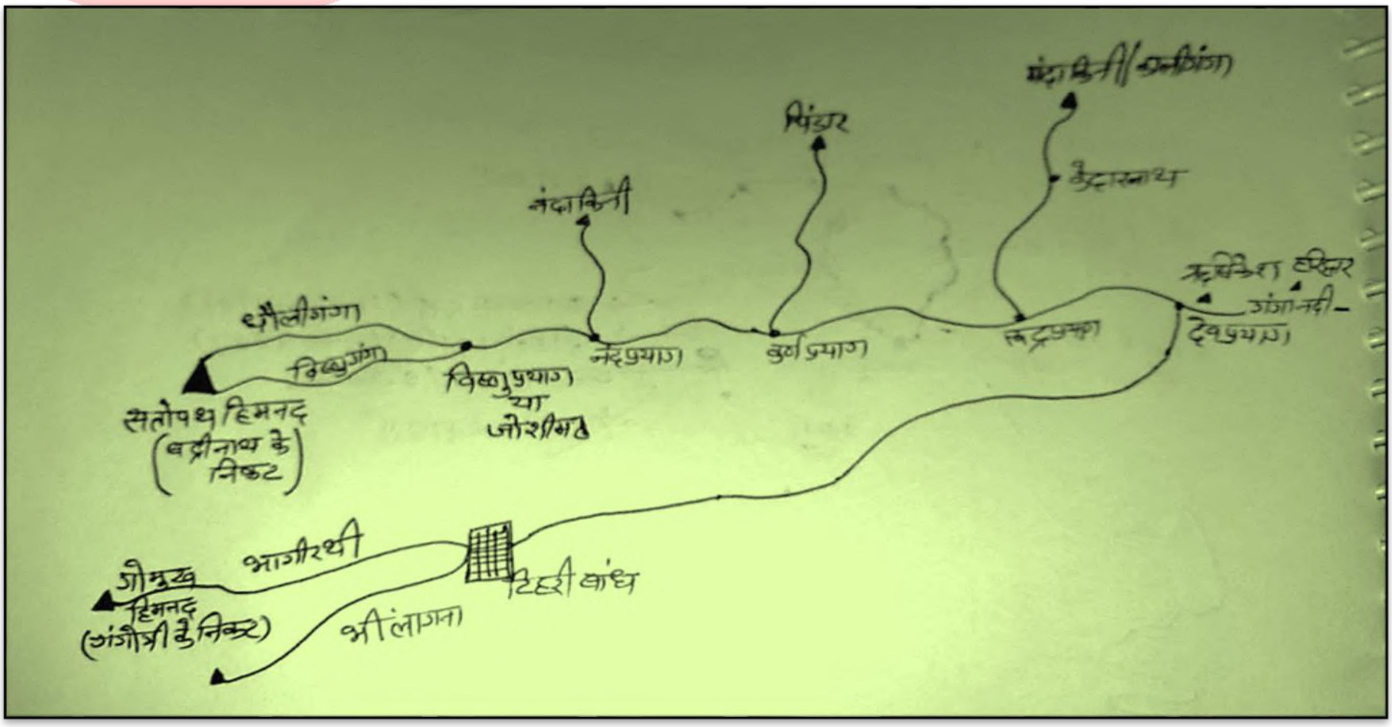

- गंगा नदी का उद्गम उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिलें में गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से हुआ है। जहाँ यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किलोमीटर, उत्तराखंड में 110 किलोमीटर, उत्तरप्रदेश में 1450 किलोमीटर तथा बिहार में 445 किलोमीटर व पश्चिम बंगाल में 520 किलोमीटर बहती हैं।
- उत्तराखंड में देवप्रयाग में भागीरथी नदी, अलकनंदा नदी से मिलती है तथा इसके बाद यह गंगा कहलाती हैं ।
- अलकनंदा नदी का स्त्रोत बद्रीनाथ के ऊपर सतोपथ हिमनद से हुआ है।
- अलकनंदा, धौली गंगा और विष्णु गंगा धाराओं से मिलकर बनती है, जो जोशीमठ या विष्णु प्रयाग में मिलती है ।
- भागीरथी से देवप्रयाग में मिलने से पहले अलकनंदा से कई सहायक नदियाँ आकर मिलती है।

स्थान	नदी संगम
विष्णु प्रयाग	धौलीगंगा + अलकनंदा
नंद प्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
कर्ण प्रयाग	पिंडार + अलकनंदा
रुद्रप्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
देवप्रयाग	भागीरथी + अलकनंदा

- गंगा नदी हरिद्वार (उत्तराखंड) के बाद मैदानी क्षेत्रो में प्रवेश करती है तथा अपने दक्षिण पूर्व में बहते हुए इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में पहुँचती है जहाँ इससे यमुना नदी (गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी) आकर मिलती हैं।
- इसके बाद यह बिहार व पश्चिम बंगाल मे प्रवेश करती हैं। पश्चिम बंगाल में यह दो वितरिकाओं (धाराओं) में विभाजित हो जाती है। एक धारा हुगली नदी कहलाती है जो कलकत्ता में चली जाती है तथा मुख्य धारा पश्चिम बंगाल बहती हुए बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती हैं।
- बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद इससे ब्रह्मपुत्र नदी आकर मिलती है इसके बाद यह पद्मा के नाम से जानी जाने लगती हैं।
- अन्त में यह बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती हैं।

राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या I: इलाहाबाद-हल्दिया जलमार्ग को भारत में राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-I का दर्जा दिया गया है। यह जलमार्ग **गंगा-भागीरथी-हुगली नदी** तंत्र में स्थित है। यह 1620 किमी लंबाई के साथ भारत में **सबसे लंबा राष्ट्रीय जलमार्ग** है।

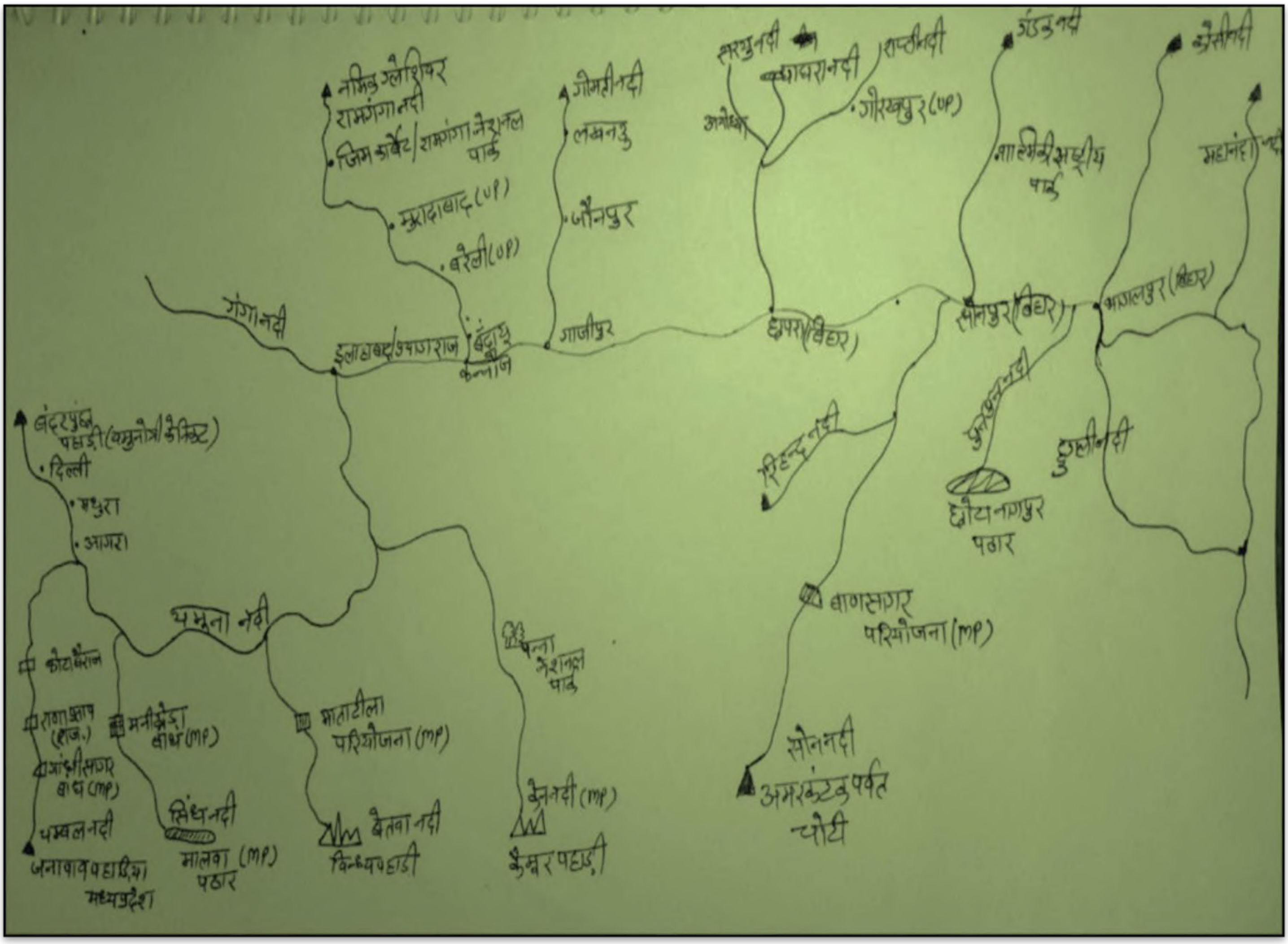

गंगा की प्रमुख सहायक नदियाँ

दाएँ ओर से	बाएँ ओर से
यमुना	रामगंगा
सोन	गोमती
पुनपुन	घाघरा
	गंडक
	कोसी
	महानंदा

यमुना नदी –

- इस नदी का उद्गम उत्तराखण्ड में बदरपूंछ श्रेणी की पश्चिमी ढाल पर स्थित यमुनोत्री हिमनद से हुआ हैं।

- यमुना नदी गंगा की सबसे पश्चिमी व सबसे लम्बी नदी है। जो गंगा से इलाहाबाद में आकर मिलती है ।
- प्रायद्वीप पठार से निकलने वाली चंबल, सिंध, बेतवा, केन इसके दाहिने तट पर मिलने वाली सहायक नदियाँ हैं इसके बाएँ तट पर हिंडन, रिंद, सेंगर, वरुणा आदि नदियाँ मिलती हैं।
- चम्बल नदी मध्यप्रदेश के मालवा पठार में महू के निकट निकलती है तथा राजस्थान के कोटा में बहते हुए उत्तरप्रदेश में यमुना से आकर मिलती है यह अपनी 'उत्खात् भूमि' (Badlond Topography) के लिए प्रसिद्ध है।

यमुना की सहायक नदियाँ

चम्बल

- उद्गमः- जानापाव की पहाड़ी मेहूं (MP)

NOTE- राजस्थान की एकमात्र बारहमासी नदी

- उपनाम चर्मवती, राजस्थान की कामधेनु
- राजस्थान का एकमात्र हैंगिंग ब्रिज (कोटा) इसी नदी पर हुआ है । इस नदी पर 4 बाँध बने हुए हैं (1) गांधी सागर (MP) 2. राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़, राजस्थान) 3. कोटा बैराज (कोटा, राजस्थान) जवाहरसागर (कोटा, राजस्थान)
- इटावा (UP) के निकट यमुना में मिल जाती है ।

सिन्ध

- उद्गम - मालवा का पठार, विदिशा (MP)
- बुंदेलखण्ड (UP) के निकट यमुना में मिल जाती है ।
- इस नदी पर मध्यप्रदेश राज्य में मानीखेडा बाँध बनाया गया है ।

बेतवा

- उद्गम - विंध्यांचल पर्वतमाला (MP)
- हमीरपुर (UP)के पास यमुना में विलेय
- इस नदी पर मध्यप्रदेश राज्य में माताटीला परियोजना स्थित है ।

केन

- उद्गम - कैमूर की पहाड़ी (M.P.)
- फतेहपुर के निकट यमुना में विलेय
- यह नदी मध्यप्रदेश के पन्ना राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरती है ।

सोन नदी-

- यह मध्यप्रदेश में अमरकंटक की पहाड़ियों से निकलती है तथा पटना से पहले गंगा के दायीं तट से इससे मिल जाती हैं ।

दामोदर नदी

- उद्गम - घोटानागपुर पठार (झारखण्ड)
- दाहिनी ओर से मिलने वाली गंगा की अंतिम सहायक नदी।
- यह नदी ढाल पर बहती है तो सीढ़ीनुमा जल प्रपातों का निर्माण करती है तथा ऐसे जल प्रपातों को सोपानी जल प्रपात /Terraced slope / क्षिप्रिकाएँ कहते है ।
- भारत में सर्वाधिक क्षिप्रिकाएँ बनाने वाली नहीं है ।
- इसे बंगाल का शोक कहते है
- विश्व में सर्वाधिक क्षिप्रिकाएँ बनाने वाली नदी- कोलरेडो नदी (U.S.A.)
- बहुउद्देशीय परियोजना के तहत कुल- 8 बाँध बनाए गए ।
- भारत में सबसे प्राचीन नदी घाटी परियोजना है । कार्य- 1948 में प्रारम्भ

NOTE- विश्व की सबसे प्राचीन नदी घाटी परियोजना- टेनिस (USA)

रामगंगा नदी -

- इसका उद्गम उत्तराखंड राज्य में हिमालय पर्वतीय क्षेत्र में नमीक ग्लेशियर से होता है।
- यहां से उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश राज्यों में बनने के बाद उत्तर प्रदेश के कन्नौज स्थान पर जाकर गंगा नदी में मिल जाती है।
- उत्तराखंड राज्य में नैनीताल नगर स्थित है।
- रामगंगा नदी पर उत्तराखंड राज्य में स्थित जिम कार्बेट नेशनल पार्क (नया नाम रामगंगा नेशनल पार्क है) स्थित है। इस नदी के किनारे उत्तर प्रदेश राज्य के मुरादाबाद, बरेली व बदायूं नगर स्थित है ।

गोमती नदी -

- यह नदी उत्तरप्रदेश के पीलीभीत जिले से निकलती है तथा गाजीपुर में गंगा नदी से मिलती है।
- लखनऊ व जौनपुर इसी के किनारे बसे हैं ।

घाघरा नदी -

- तिब्बत के पठार में स्थित मापचाचुंगों हिमनद से निकलती हैं तथा बाराबंकी जिला (उत्तरप्रदेश) में सरयू (शारदा नदी) इससे आकर मिलती है। और अन्ततः यह छपरा (बिहार) में गंगा से मिलती है।

गंडक नदी -

- नेपाल (धौलागिरि व माउंट एवरेस्ट) से इसका उद्गम होता है तथा यह अन्ततः सोनपुर (बिहार) में गंगा से मिल जाती है।
- यह नदी बिहार राज्य के वाल्मीकि नेशनल पार्क से गुजरती है।

कोसी नदी -

- इसका स्रोत तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के उत्तर में है जहाँ से इसकी मुख्य धारा अरुण निकलती है।
- कोसी नदी को बिहार का शोक कहा जाता है।

महानंदा नदी -

- महानंदा गंगा के बाएँ तट पर मिलने वाली अंतिम सहायक नदी है जो दार्जिलिंग की पहाड़ियों से निकलती है।

प्रश्न :- सूची – I को सूची – II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए –

सूची – I (मुख्य नदी)	सूची - II (सहायक नदी)
(A) गोदावरी	(i) भवानी
(B) महानदी	(ii) पेनगंगा
(C) दामोदर	(iii) शिवनाथ
(D) कावेरी	(iv) बाराकर

(1) A – (iv), B – (ii), C – (i), D – (iii)
(2) A – (iii), B – (i), C – (ii), D – (iv)
(3) A – (ii), B – (iii), C – (iv), D – (i)
(4) A – (i), B – (ii), C – (iv), D – (iii)

उत्तर :- (2)

भारत की प्रमुख झीलें

- भारत में अधिकांश झीलें उत्तर के पर्वतीय प्रदेशों में पाई जाती हैं, परन्तु समुद्र तटीय क्षेत्रों में भी भारत की कुछ महत्त्वपूर्ण झीलें स्थित हैं।
- भारत में कई प्राकृतिक एवं मानव निर्मित झीलें पाई जाती हैं।
- मानव निर्मित झीलें बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं के अन्तर्गत बनाए गए जलाशयों के रूप में स्थित हैं।

भारत की विभिन्न प्रकार झीलें निम्नलिखित हैं –

1. **विवर्तनिक झीलें** - इन झीलों का निर्माण किसी धरातल के बड़े भाग के धंसने या उठने से होता है। जैसे - कश्मीर में स्थित वूलर झील आदि।
2. **लैगून झीलें** - इन झीलों का निर्माण तब होता है, जब तटीय समुद्री जल का कुछ भाग बालू, चट्टान या प्रवाल भित्ति के द्वारा मुख्य भूमि से अलग होकर झीलनुमा आकृति बना लेता है। जैसे चिल्का (उड़ीसा), पुलिकट (आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु), वेम्बानाद (केरल), अष्टमुडी (केरल) आदि।
3. **हिमानी निर्मित झीलें** - इन झीलों का निर्माण हिमानी या हिमनदों के अपरदन से होता है। जैसे - नैनीताल, राक्षस ताल आदि।
4. **क्रेटर या ज्वालामुखी निर्मित झीलें** - इन झीलों का निर्माण ज्वालामुखी प्रक्रिया के पश्चात् बने क्रेटर में पानी के भरने से होता है। जैसे -महाराष्ट्र के बुलढाणा में स्थित लोनार झील आदि।
5. **वायु निर्मित झीलें** - मरुस्थलीय प्रदेशों में जहाँ हवा द्वारा सतह की मिट्टी को उड़ाकर ले जाया जाता है, वहाँ ऐसी झीलों का निर्माण होता है। इन्हें प्लाया झीलें भी कहते हैं। जैसे - राजस्थान की साम्भर, डीडवाना, लूणकरणसर आदि झीलें।
6. **डेल्टाई झीलें** - डेल्टाई प्रदेशों में कई वितरिकाओं के मध्य छोटी-बड़ी झीलों का विकास होता है, जो सामान्यतः मीठे जल की होती हैं। जैसे - कृष्णा-गोदावरी डेल्टा क्षेत्र में स्थित कोलेरू झील आदि।

डल झील

- यह जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में स्थित है।
- कश्मीरी भाषा में 'डल' का अर्थ- 'झील' होता है।
- यह कश्मीर में पर्यटन और मनोरंजन के लिये प्रसिद्ध है। इसे "कश्मीर का मुकुट" या "श्रीनगर का गहना" भी कहा जाता है।
- यह जम्मू-कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी झील है। जम्मू-कश्मीर में ही स्थित वूलर झील जम्मू-कश्मीर की सबसे बड़ी झील है।

चिल्का झील

- ओडिशा की चिल्का झील एशिया की सबसे बड़ी एवं विश्व की दूसरी सबसे बड़ी समुद्री झील है।
- यह एक अनूप झील है, अर्थात् यह समुद्र का ही एक भाग है जो महानदी द्वारा निक्षेपित गाद के जमाव के कारण समुद्र से छिटक कर एक छिछली झील के रूप में विकसित हो गई है।
- यह खारे पानी की एक लैगून है, जो भारत के पूर्वी तट पर ओडिशा राज्य के पुरी, खुर्दा और गंजम ज़िलों में विस्तारित है।
- यह भारत की सबसे बड़ी तटीय लैगून है।
- यह वर्ष 1981 में रामसर अभिसमय के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की 'आर्द्रभूमि' के रूप में नामित पहली भारतीय आर्द्रभूमि है।

पुलिकट झील

- यह चिल्का झील (ओडिशा) के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है।
- आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित इस झील का 96% भाग आंध्र प्रदेश एवं 4% भाग तमिलनाडु के अंतर्गत आता है।
- पुलिकट झील को तमिल भाषा में पजहवेर्काडु एरी कहा जाता है।
- बंगाल की खाड़ी से यह झील श्रीहरिकोटा द्वारा अलग होती है जो एक बैरियर द्वीप की तरह कार्य करता है।

लोकटल झील

- यह पूर्वोत्तर की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।
- यह 'मणिपुर' में स्थित है।
- इस झील में तैरते हुए द्वीप होते हैं, जिन्हें 'फुमदी' कहा जाता है।
- इसमें 'केबुल - लामजाओ नेशनल पार्क' स्थित है, जो कि विश्व का एकमात्र तैरता हुआ उद्यान है। यह 'संघाई हिरण' का एकमात्र प्राकृतिक आवास है।
- यह झील 'मणिपुर की जीवन रेखा' कही जाती है, क्योंकि यह आपने अपनी उत्पादकता एवं जैव विविधता के लिए भारत में प्रसिद्ध है।

राजस्थान का भूगोल

अध्याय – 1

भूगर्भिक संरचना एवं भू-आकृतिक प्रदेश

राजस्थान का विस्तार -

नोट-

राजस्थान का **अक्षांशीय विस्तार 23°03" से 30°12" उत्तरी अक्षांश** ही तक है जिसका **अंतर 7°09 मिनट** है। जबकि राजस्थान का **देशांतरीय विस्तार 69°30" से 78°17" पूर्वी देशांतर** है। जिसका अंतर **8°47 मिनट है।** (देखें मानचित्र A, B)

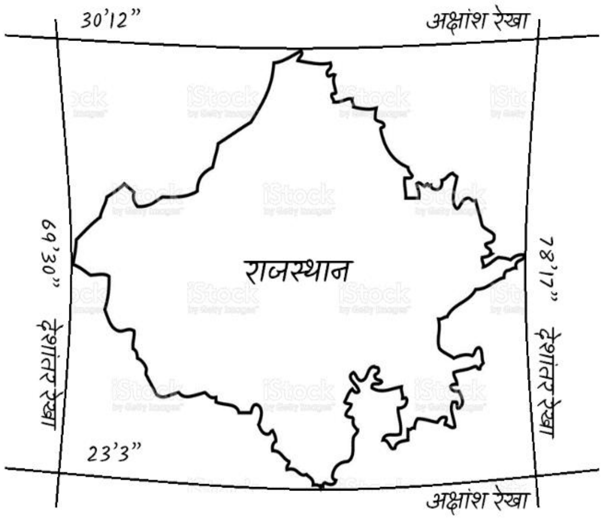

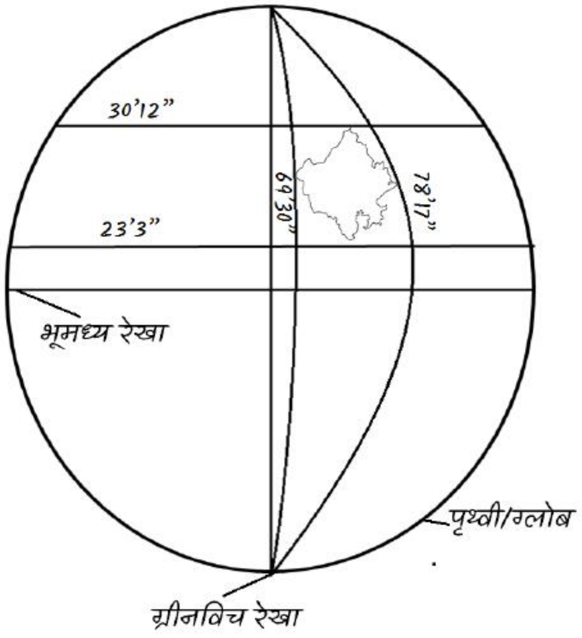

(मानचित्र-A)

नोट- राजस्थान का कुल अक्षांशीय विस्तार **7°9"(30°12" - 23°03")** है तथा कुल देशांतरीय विस्तार **8°47" (78°17" - 69°30")** है।

1° = 4 मिनट

1" =111.4 किलोमीटर होता है।

- राजस्थान का कुल **क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किलोमीटर** है जो कि संपूर्ण भारत का **10.41%** है।
- भारत का कुल क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किलोमीटर है।
- जो हिमाच्छादित हिमालय की ऊंचाइयों से शुरू होकर दक्षिण के विषुवतीय वर्षा वनों तक फैला हुआ है। जो संपूर्ण विश्व का 2.42% है।
- 1 नवंबर 2000 से पूर्व क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का **सबसे बड़ा राज्य मध्यप्रदेश** था, लेकिन 1 नवंबर 2000 के बाद मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ को अलग होने हो जाने पर भारत का **सबसे बड़ा राज्य** (क्षेत्रफल की दृष्टि से) राजस्थान बन गया।
  2011 में राजस्थान की कुल जनसंख्या 68,548,437 थी जो कि कुल देश की जनसंख्या का **5.67%** है।

➢ **कर्क रेखा राजस्थान में स्थित:-**

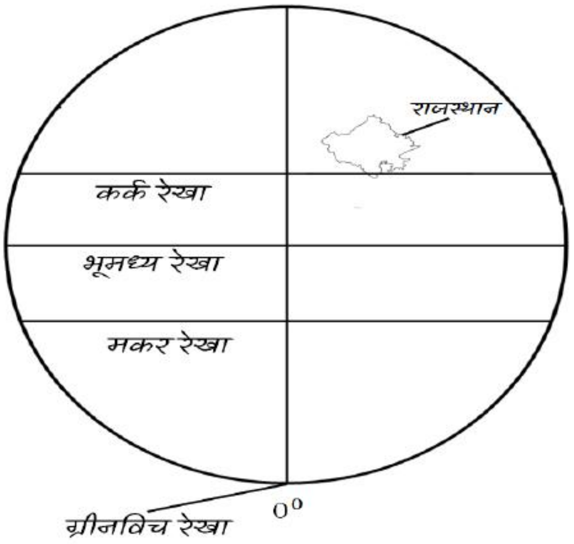

कर्क रेखा भारत के 8 राज्यों से होकर गुजरती है-

1. गुजरात 2. राजस्थान 3. मध्यप्रदेश 4. छत्तीसगढ़ 5. झारखंड 6. पश्चिम बंगाल 7. त्रिपुरा 8. मिजोरम

- राजस्थान में **कर्क रेखा बाँसवाड़ा** जिले के मध्य से **कुशलगढ़ तहसील** से गुजरती है इसके अलावा कर्क रेखा डूंगरपुर जिले को भी स्पर्श करती है अर्थात् **कुल दो जिलों से होकर गुजरती है।**
- राजस्थान में कर्क रेखा की कुल **लंबाई 26 किलोमीटर** है। राजस्थान का सर्वाधिक भाग कर्क रेखा के उत्तरी भाग में स्थित है।
- राजस्थान का कर्क रेखा से सर्वाधिक नजदीकी शहर बाँसवाड़ा है।
- भूमध्य रेखा पर सूर्य की किरणें सर्वाधिक सीधी पड़ती है, अतः वहाँ पर तापमान अधिक होता है। जैसे - जैसे भूमध्य रेखा से दूरी बढ़ती जाती है, वैसे - वैसे सूर्य की किरणों का तिरछापन बढ़ता जाता है और तापमान में कमी आती जाती है।

रेडक्लिफ रेखा पर भारत के चार राज्य स्थित हैं।

1. जम्मू-कश्मीर (1216 कि.मी.)
2. पंजाब (547 कि.मी.)
3. राजस्थान (1070 कि.मी.)
4. गुजरात (512 कि.मी.)

- रेडक्लिफ रेखा के साथ **सर्वाधिक सीमा - राजस्थान (1070 कि.मी.)**
- रेडक्लिफ रेखा के साथ **सबसे कम सीमा- गुजरात(512 कि.मी.)**
- रेडक्लिफ रेखा के सर्वाधिक नजदीक राजधानी मुख्यालय - श्रीनगर
- रेडक्लिफ रेखा के सर्वाधिक दूर राजधानी मुख्यालय - जयपुर
- रेडक्लिफ रेखा पर क्षेत्र में बड़ा राज्य - राजस्थान
- रेडक्लिफ रेखा पर क्षेत्र में सबसे छोटा राज्य - पंजाब
- रेडक्लिफ रेखा के साथ राजस्थान की कुल सीमा **1070 कि.मी.** है। जो **राजस्थान के चार जिलों** से लगती है।
  1. श्रीगंगानगर-210 कि.मी.
  2. बीकानेर-168 कि.मी.
  3. जैसलमेर- 464 कि.मी.
  4. बाड़मेर- 228 कि.मी.

- रेडक्लिफ रेखा राज्य में उत्तर में श्रीगंगानगर के **हिन्दूमल कोट** से लेकर दक्षिण - पश्चिम में बाड़मेर के शाहगढ़ बाखासर गाँव तक विस्तृत है।
- रेडक्लिफ रेखा पर पाकिस्तान के 9 जिले पंजाब प्रान्त का बहावलपुर, बहावल नगर व रहीमयारखान तथा सिंध प्रान्त के घोटकी, सुक्कुर, खैरपुर, संघर, उमरकोट व थारपाकर राजस्थान से सीमा बनाती हैं।
  राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा – बहावलपुर
  राजस्थान के साथ न्यूनतम सीमा- खैरपुर

पाकिस्तान के दो प्रांत राजस्थान की सीमा को छूते हैं।
1. पंजाब प्रांत
2. सिंध प्रांत

- रेडक्लिफ रेखा एक कृत्रिम रेखा है।
- राजस्थान की रेडक्लिफ रेखा से सर्वाधिक सीमा जैसलमेर (464 कि.मी.) की लगती है।
- रेडक्लिफ के नजदीक जिला मुख्यालय –अनूपगढ़
- रेडक्लिफ के सर्वाधिक दूर जिला मुख्यालय - बीकानेर
- रेडक्लिफ रेखा पर सबसे बड़ा जिला - जैसलमेर
- रेडक्लिफ रेखा पर सबसे छोटा जिला – श्रीगंगानगर

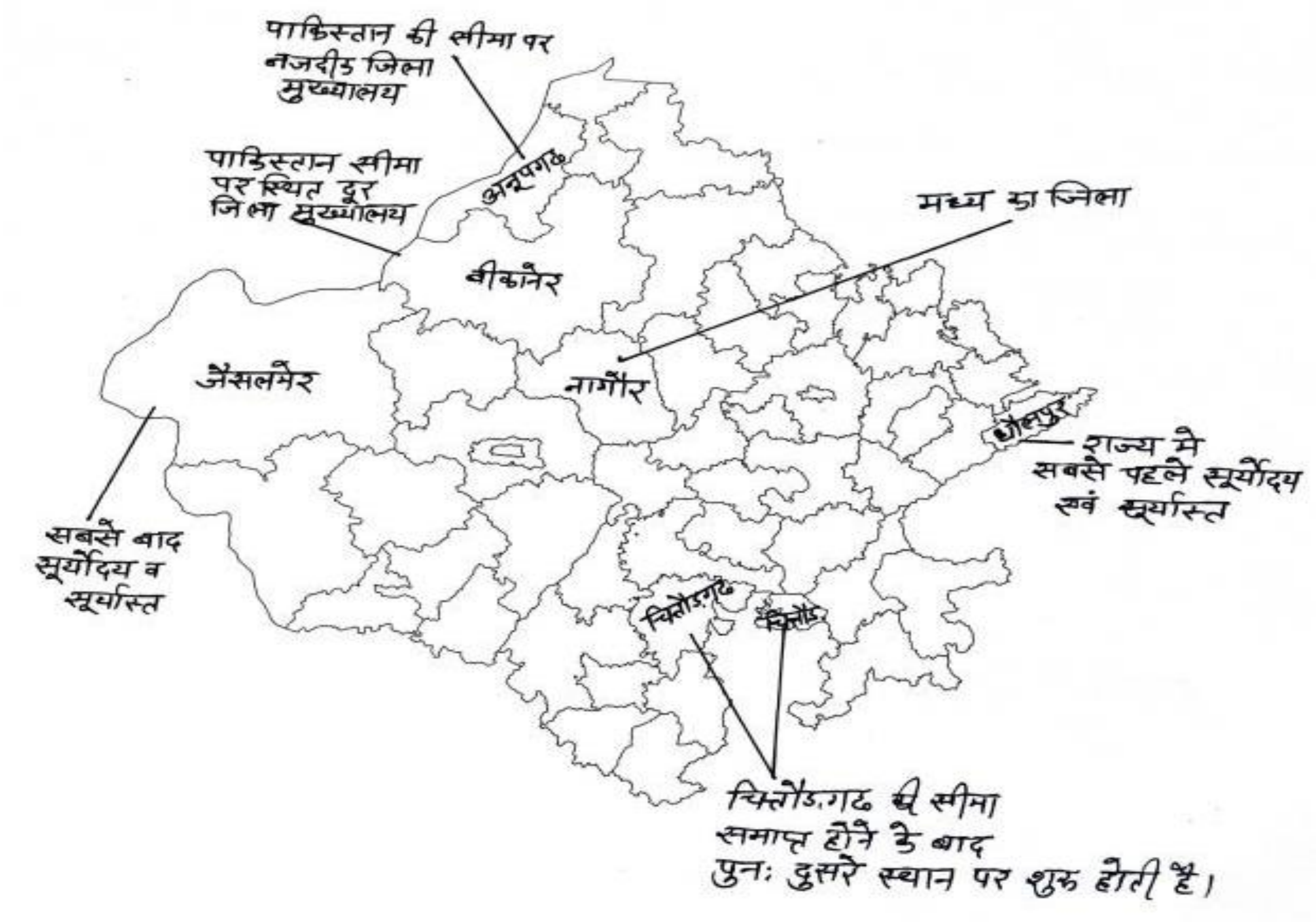

- राजस्थान के केवल अंतर्राष्ट्रीय सीमा वाले जिले - 3 (बीकानेर, जैसलमेर, अनूपगढ़)
- राजस्थान के 22 जिलें (जयपुर ग्रामीण, जयपुर, नागौर, डीडवाना-कुचामन, सीकर, गंगापुरसिटी, सलुम्बर, जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, बालोतरा, जालौर, पाली, राजसमन्द, शाहपुरा, केकड़ी, ब्यावर, अजमेर, टोंक, बूंदी, दौसा और दूदू) ऐसे जिलें हैं जो न तो अंतरराज्यीय सीमा बनाते हैं तथा न ही अंतरराष्ट्रीय ।
- झालावाड मध्यप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा (520 कि.मी) बनाता है तथा बाड़मेर गुजरात के साथ न्यूनतम 14 कि.मी. की सीमा बनाता है।
- राजस्थान के 2 ऐसे जिले है जिनकी अंतर्राज्यीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सीमा है –

1. श्रीगंगानगर (पाकिस्तान + पंजाब)
2. बाड़मेर (पाकिस्तान + गुजरात)

<u>राजस्थान के 4 जिले ऐसे है जिनकी सीमा दो – दो राज्यों से लगती है-</u>

हनुमानगढ़ :- पंजाब + हरियाणा
धौलपुर :- उत्तरप्रदेश + मध्यप्रदेश
बाँसवाड़ा :- मध्यप्रदेश + गुजरात
डीग :- उत्तरप्रदेश + हरियाणा

- राजस्थान के परिधिय जिले – 28 (गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनू, नीम का थाना, कोटपूतली बहरोड, खैरथाल तिजारा, अलवर, डीग, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई-माधोपुर, बारां, झालावाड़, कोटा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, सिरोही, सांचौर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, अनुपगढ़।)

सिरोही	राजस्थान का शिमला
राजसमन्द	राजस्थान की थर्मोपोली
नागौर	औजारों की नगरी, राजस्थान का धातु नगर
सीकर	हाईटेक सिटी
नीमकाथाना	ताम्बा नगरी
जयपुर	पिंक सिटी / गुलाबी नगरी, पूर्व का पेरिस, हेरिटेज सिटी
अलवर	राजस्थान का स्कॉटलैंड, राजस्थान का सिंह द्वार, राजस्थान का पूर्वी कश्मीर
भरतपुर	राजस्थान का पूर्वी सिंह द्वार, राजस्थान का प्रवेश द्वार
धौलपुर	राजस्थान का पूर्वी प्रवेश द्वार, रेड डायमंड
करौली	डांग की रानी
अजमेर	राजस्थान का हृदय, अंडे की टोकरी, सांप्रदायिक सौहार्द का शहर, राजपूताना की कुंजी, अरावली का अरमान
बूंदी	बावडियों का शहर (सिटी ऑफ़ स्टेपवेल्स), वैभव नगरी
बारां	वराह नगरी, मिनी खजुराहो (भंडदेवरा)
झालावाड़	राजस्थान का चेरापूंजी, विरासत का शहर, घंटियों का शहर (झालरापाटन)
चित्तौड़गढ़	राजस्थान का गौरव
प्रतापगढ़	राधा नगरी, कांठल
कोटा	शिक्षा का तीर्थ स्थल, राजस्थान का नालंदा, औद्योगिक नगरी, राजस्थान का कानपुर, उद्यानों का नगर
डूंगरपुर	पहाड़ों की नगरी
उदयपुर	मेवाड़, प्राग्वाट, मेदपाट, झीलों की नगरी, पूर्व का वेनिस, सैलानियों का स्वर्ग, माउंटेन और फाउंटेन का शहर, एशिया का विएना, लेक सिटी, जिंक नगरी, ऑस्ट्रेलिया जैसी आकृति

राजस्थान के प्राचीन क्षेत्र और वर्तमान स्थिति

योद्धेय प्रदेश	अनूपगढ़, गंगानगर, हनुमानगढ़
भटनेर	हनुमानगढ़
शेखावाटी प्रदेश	झुंझुनू, सीकर, चुरु, नीमकाथाना
कुरुक्षेत्र, शाल्व जनपद, आलोर	अलवर
मेवात क्षेत्र / मत्स्य प्रदेश	खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर, भरतपुर, डीग
श्रीपंथ	बयाना (भरतपुर)
कोठी	धौलपुर
गोपालपाल	करौली
डांग क्षेत्र, बीहड़	करौली, सवाईमाधोपुर
प्राचीन भारत का टाटा नगर, नवाबों का शहर	टोंक
हयहय प्रदेश, हाड़ौती प्रदेश	कोटा, बूंदी, झालावाड़, बारां
बृजनगर, खींचीवाड़ा	झालावाड़
मालव प्रदेश	झालावाड़, प्रतापगढ़
वार्गट	डूंगरपुर बाँसवाड़ा का दक्षिणी भाग
मेवल	बाँसवाड़ा व डूंगरपुर के मध्य का भू-भाग
शिवी जनपद	सिरोही
देवनगरी, चन्द्रावती, आर्बुद	सिरोही
श्रीमाल, बाहड़मेट, मालाणी	बाड़मेर
जलालाबाद, जाबालीपुर	जालौर
मांड प्रदेश, वल्ल, दुंगल	जैसलमेर
जांगल प्रदेश	बीकानेर
थली क्षेत्र	चुरु, हनुमानगढ़, बीकानेर, श्री गंगानगर (चारों की सीमा रेखा जहाँ मिलती हैं, के आस-पास का क्षेत्र)
रामू जाट की ढाणी	गंगानगर
जाट रियासत	भरतपुर, धौलपुर

भारतीय संविधान

अध्याय – 1

भारतीय संविधान की प्रकृति

संविधान सभा

- भारत में **संविधान सभा** के गठन का विचार वर्ष **1934 में पहली बार एम० एन. रॉय ने रखा ।**
- 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहली बार भारत के संविधान निर्माण के लिए आधिकारिक रूप से संविधान सभा के गठन की मांग की ।
- 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने घोषणा की स्वतंत्र भारत के **संविधान का निर्माण वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी गई संविधान सभा द्वारा किया जायेगा** । नेहरू की इस मांग को ब्रिटिश सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया। इसे **1940 के अगस्त प्रस्ताव** के रूप में जाना जाता है।
- **क्रिप्स मिशन 1942 में भारत** आया ।

क्रिप्स मिशन

- लॉर्ड **सर पैथिक लारेंस** (अध्यक्ष)
- ए. वी. अलेक्जेंडर
- सर स्टेफोर्ड क्रिप्स
- कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों के अनुसार **नवंबर 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ** । मिशन की योजना के अनुसार संविधान सभा का स्वरुप निम्नलिखित प्रकार का होना था –
- सविधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या 389 होनी थी। इनमें से 296 सीटें ब्रिटिश भारत के प्रांतों को और 93 सीटें देसी रियासतों को दी जानी थी ।
- हर ब्रिटिश प्रांत एवं देसी रियासत को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें दी जानी थी । आमतौर पर प्रत्येक 10 लाख लोगों पर एक सीट का आवंटन होना था ।
- प्रत्येक ब्रिटिश प्रांत को दी गई सीटों का निर्धारण तीन प्रमुख समुदायों के मध्य उनकी जनसंख्या के अनुपात में किया जाना था । यह तीन समुदाय थे :- मुस्लिम, सिख व सामान्य (मुस्लिम और सिख को छोड़कर) ।
- प्रत्येक समुदाय के प्रतिनिधियों का चुनाव प्रांतीय असेंबली में उस समुदाय के **सदस्यों द्वारा एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था** के अनुसार किया जाना था ।
- देसी रियासतों के प्रतिनिधियों का चयन चुनाव द्वारा नहीं, बल्कि रियासत के प्रमुखो द्वारा किया जाना था ।

➢ स्पष्ट है कि संविधान सभा आंशिक रूप से चुनी हुई और आंशिक रूप से निम्नांकित सभा थी ।

➢ उपरोक्त योजना के अनुसार ब्रिटिश भारत के लिए आवंटित 296 सीटों के लिए चुनाव जुलाई-अगस्त 1946 में संपन्न हुए । इस चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 तथा छोटे दलों व निर्दलीय सदस्यों को 15 सीटें मिली । देसी रियासतों को आवंटित की गई 93 सीटें नहीं भर पाए क्योंकि उन्होंने खुद को संविधान सभा से अलग रखने का निर्णय ले लिया था ।

➢ आक्षेप किया जा सकता है कि संविधान सभा का चुनाव भारत के वयस्क मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से नहीं हुआ था । तब भी यह जानना महत्त्वपूर्ण है कि इसमें प्रत्येक समुदाय :- हिंदू, मुस्लिम, सिख, पारसी, आंग्ल भारतीय, भारतीय ईसाई, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधियों को स्थान प्राप्त हुआ था । इसमें पुरुषों के साथ पर्याप्त संख्या में महिलाएँ भी थी । महात्मा गांधी और मोहम्मद अली जिन्ना को छोड़ दे तो सभा में उस समय के भारत के सभी प्रसिद्ध व्यक्तित्व शामिल थे ।

उद्देश्य प्रस्ताव :-

संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को वर्तमान संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई । मुस्लिम लीग ने इस बैठक का बहिष्कार किया और अलग पाकिस्तान की मांग उठाई । सभा के सबसे **वरिष्ठ सदस्य डॉ सच्चिदानंद सिन्हा** को सभा का **अस्थाई अध्यक्ष बनाया गया । 2 दिन** पश्चात **11 दिसंबर 1946 को डॉ राजेंद्र प्रसाद को** सभा का **स्थाई अध्यक्ष बनाया** गया, इसके **2 दिन** पश्चात **13 दिसंबर 1946 को पंडित नेहरु ने संविधान** सभा में उद्देश्य प्रस्ताव पारित किया जो 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वीकृत किया गया। संक्षेप में इस प्रस्ताव की मुख्य बातें निम्नलिखित थी :-

- भारत को एक स्वतंत्र तथा संप्रभु गणराज्य के रूप में स्थापित किया जाए ।
- भारत की संप्रभुता का स्रोत भारत की जनता होगी।
- इस गणराज्य में भारत के समस्त नागरिकों को राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक समानता प्राप्त होगी।
- भारत के समस्त नागरिक को विचार, अभिव्यक्ति,संस्था बनाने,कोई व्यवसाय करने,किसी भी धर्म को मानने या न मानने कि स्वतंत्रता होगी।
- अल्पसंख्यकों,अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों के हितों की सुरक्षा के लिए उपयुक्त उपाय किए जाएंगे ।
- देश की एकता को स्थायित्व प्रदान किया जाएगा ।
- भारत की प्राचीन सभ्यता को उसका उचित स्थान व अधिकार दिलाया जाएगा तथा विश्व शांति व मानव कल्याण में उसका योगदान सुनिश्चित किया जाएगा।

इस प्रकार उद्देश्य प्रस्ताव उन भावनाओं व इच्छाओं का सूचक था, जिसकी उपलब्धि के लिए भारतवासी पिछले कई वर्षों से संघर्ष कर रहे थे । यही उद्देश्य प्रस्ताव संविधान की 'प्रस्तावना' का आधार बना और इसी ने संपूर्ण संविधान के दर्शन को मूर्त रूप प्रदान किया ।

संविधान सभा की कार्य प्रणाली

अस्थायी अध्यक्ष - सच्चिदानन्द सिन्हा
अध्यक्ष - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
उपाध्यक्ष - डॉ. एच. सी मुखर्जी, वी.टी. कृष्णामाचारी

- 13 दिसम्बर 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने सभा में उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया।

संविधान सभा के अन्य कार्य

- मई 1949 में राष्ट्रमंडल में भारत की सदस्यता ।
- 22 जुलाई 1947 को राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया ।
- 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान को अपनाया ।
- 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रीय गीत को अपनाया ।
- **24 जनवरी 1950 को राजेन्द्र प्रसाद को भारत के पहले राष्ट्रपति चुनना ।**
- 2वर्ष 11 माह 18 दिन में कुल 11 बैठके हुई, लगभग 60 देशों का संविधान का अवलोकन, इसके प्रारुप पर 114 दिन तक विचार हुआ कुल खर्च 64 लाख रुपया आया ।
- 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा की अन्तिम बैठक हुई।

संविधान सभा की समितियां

संघ शक्ति समिति	- पं. जवाहरलाल नेहरू
संघीय संविधान समिति	- पं जवाहरलाल नेहरू
प्रांतीय संविधान समिति	- सरदार वल्लभ भाई पटेल
प्रारुप समिति	- डॉ. बी. आर. अंबेडकर
मौलिक अधिकारी, अल्पसंख्यको एवं जनजातियों तथा बहिष्कृत क्षेत्रो के लिए सलाहकार समिति	- सरदार पटेल
प्रक्रिया नियम समिति	- डॉ. राजेंद्र प्रसाद
राज्यों के लिए समिति	- जवाहरलाल नेहरु
संचालन समिति	- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

प्रारुप समिति

- अंबेडकर (अध्यक्ष)
- एन गोपालस्वामी आयंगार
- अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर
- डॉ. के.एम मुंशी
- सैय्यद मोहमद सादुल्ला
- एन. माधव राव (बी. एल. मित्रा की जगह)
- टी.टी. कृष्णामाचारी (डी.पी खेतान की जगह)

- 4 नवम्बर 1948 को अंबेडकर ने सभा में संविधान का अन्तिम प्रारुप पेश किया गया । इस बार संविधान पहली बार पढ़ा गया ।
- संविधान सभा के 299 सदस्यों में से 284 लोगों ने संविधान पर हस्ताक्षर किया।
- **26 नवम्बर 1949 को अपनाए गये संविधान में प्रस्तावना, 395 अनुच्छेद व 8 अनुसुचियां थी।**

संविधान सभा में समुदाय आधारित प्रतिनिधित्व

1. हिन्दू = (163)
2. मुस्लिम = (80)
3. अनुसूचित जाति = (31)
4. भारतीय ईसाई = (6)
5. पिछड़ी जनजातियां = (6)
6. सिख = (4)
7. ऐंग्लो इंडियन = (3)
8. पारसी = (3)

भारत की संविधान सभा में राज्यवार सदस्यता

मद्रास = (49)
बॉम्बे (मुंबई) = (21)
पश्चिम बंगाल = (19)
संयुक्त प्रांत = (55)
पूर्वी पंजाब = (12)
बिहार = (36)
मध्य प्रांत एवं बेरार = (17)
असम = (8)
उड़ीसा = (9)
दिल्ली = (1)

- **संविधान सभा द्वारा हाथी का प्रतीक (मुहर) के रूप में अपनाया ।**
- सर बी. एन. राव संवैधानिक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था।

संविधान निर्माण से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण व्यक्ति

एच. वी. आर अय्यंगार (सचिव)
एल.एन. मुखर्जी (चीफ ड्राफ्टमैन)
प्रेम बिहारी नारायण (सुलेखक)
मंदलाल बोस और विउहर (मूल संस्करण का सजावट और सौन्दर्यीकरण)

- **भारतीय संविधान की विशेषताएँ**

(1) सबसे लम्बा लिखित संविधान –
मूल रूप से संविधान में एक प्रस्तावना 395 अनुच्छेद 22 भाग 8 अनुसूचियां थी, **वर्तमान में 465 अनुच्छेद 25 भाग 12 अनुसूचियां हैं।**

संविधान

- लिखित (अमेरिका)
- अलिखित (ब्रिटेन)

संविधान के विस्तृत होने का कारण

- भौगोलिक विस्तार व विविधता
- ऐतिहासिक (1935 अधिनियम)
- जम्मू कश्मीर का अलग संविधान
- संविधान सभा में कानून विशेषज्ञों का प्रभुत्व

4. निम्नलिखित में से सही सुमेलित नहीं है

A. राज्यों के राज्यपाल अनुच्छेद 153
B. राज्यपाल की नियुक्ति अनुच्छेद 155
C. राज्यपाल का कार्यकाल अनुच्छेद 156
D. राज्यपाल पद के लिए शर्तें अनुच्छेद 159

उत्तर (D)

5.राजस्थान में डी- ज्यूरी हेड होता है

A. उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
B. मुख्यमंत्री
C. मुख्य सचिव
D. राज्यपाल

उत्तर (D)

6. निम्नलिखित में से कौनसी शक्ति राज्यपाल के पास नहीं है ?

A. स्वविवेकीय B. वीटो पॉवर
C. अध्यादेश जारी करना D. परामर्शकारी शक्ति

उत्तर (D)

7. निम्नलिखित में से राज्यपाल के संबंध में कौनसा कथन सही है ?

A. राज्यपाल राज्य सरकार का कार्यकारी / संवैधानिक प्रमुख होता है ।
B. उसमें लोकसभा का सदस्य होने की योग्यता होनी चाहिए ।
C. उसे जन्म से भारत का नागरिक होना चाहिए ।
D. उसकी आयु अधिकतम 35 वर्ष होनी चाहिए

उत्तर (A)

8.राजस्थान में आखिरी बार जब राष्ट्रपति शासन किस राज्यपाल के समय लगाया गया था ?

A. जोगिंदरसिंह B. रघुकुल तिलक
C. एम चेना रेड्डी D. हुकुमसिंह

उत्तर (C)

9.राजस्थान के राज्यपाल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा कौन सा कथन असत्य है ?

A. वह राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं ।
B. वह 'राजस्थान रेडक्रास सोसायटी' के अध्यक्ष होते हैं ।
C. वह राज्य सैनिक बोर्ड के अध्यक्ष होते हैं ।
D. उपर्युक्त सभी

उत्तर (A)

10. राजस्थान के निम्नांकित राज्यपालों में से कौनसे लोकसभा अध्यक्ष भी रहे ?

A. बलिराम भगत B. प्रतिभा पाटिल
C. रघुकुल तिलक D. मदनलाल खुराना

उत्तर (A)

अध्याय – 2

मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद्

- मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल के द्वारा संविधान के **अनुच्छेद 164 (1)** के तहत की जाती है ।
- सामान्यत , राज्यपाल बहुमत प्राप्त दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करता है । लेकिन यदि चुनावों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं हुआ है , उस स्थिति में राज्यपाल स्वविवेक से मुख्यमंत्री नियुक्त करता है। उसे एक माह के भीतर सदन में विश्वास मत प्राप्त करने के लिए कहता है ।

  राज्यपाल स्वविवेक द्वारा मुख्यमंत्री की नियुक्ति ऐसे समय पर करता है जब कार्यकाल के दौरान किसी मुख्यमंत्री की मृत्यु हो जाए और कोई उत्तराधिकारी तय नहीं हो या चुनावों में किसी दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं हुआ हो।

  NOTE- केन्द्र शासित प्रदेशों में (जहाँ विधानसभा है) मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति , राष्ट्रपति करता है । वर्तमान में भारत के तीन केन्द्र शासित प्रदेशों क्रमशः पुदुच्चेरी, दिल्ली और जम्मू- कश्मीर में विधानसभाओं का प्रावधान है ।
- **अनुच्छेद 164 (3)** मुख्यमंत्री व मंत्रियों को शपथ राज्यपाल दिलाता है । राज्य का मुख्यमंत्री कार्यग्रहण से पूर्व राज्यपाल के समक्ष पद व गोपनीयता की शपथ ग्रहण करता है। मुख्यमंत्री व मंत्रियों की शपथ का प्रारूप **भारतीय संविधान की अनुसूची 3** में मिलता है ।

अनुच्छेद 164 (4) मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों की योग्यता भारतीय संविधान में मुख्यमंत्री पद के लिए योग्यताएँ आवश्यक है जो एक मंत्री पद के लिए होती है । जैसे— (1) न्यूनतम आयु 25 वर्ष हो । (2) राज्य विधानमण्डल के दोनों में से किसी एक सदन का सदस्य हो ।

NOTE- यदि मुख्यमंत्री विधानमण्डल के किसी भी सदन का सदस्य न भी हो तो 6 माह तक मुख्यमंत्री रह सकता है । 6 माह के भीतर उसे विधानमण्डल के किसी एक सदन की सदस्यता ग्रहण करनी पड़ती है अन्यथा त्यागपत्र देना पड़ता है । मुख्यमंत्री सामान्यतः विधानमण्डल के निम्न सदन (विधान सभा) का सदस्य होता है, लेकिन उच्च सदन (विधान परिषद) के सदस्य को भी मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है यदि उस राज्य में द्विसदनात्मक विधान मण्डल है तो ।

NOTE- यदि मुख्यमंत्री विधानपरिषद् का सदस्य है तो वह

(i) राष्ट्रपति के चुनाव में भाग नहीं ले सकता।
(ii) वह अविश्वास प्रस्ताव पर वोट नहीं कर सकता है क्योंकि अविश्वास प्रस्ताव विधानसभा में लाया जाता है ।

- **अनुच्छेद 164 (5)** मुख्यमंत्री के वेतन एवं भत्तों व कार्यकाल
  मुख्यमंत्री के वेतन एवं भत्तों का निर्धारण राज्य विधानमण्डल द्वारा किया जाता है । वर्तमान में राजस्थान के मुख्यमंत्री को 75,000 रु प्रतिमाह वेतन मिलता है । (1 अप्रेल , 2019 के बाद) स्मरणीय तथ्य : मुख्यमंत्री का कार्यकाल 5 वर्ष होता है , परन्तु वह राज्यपाल के प्रसादपर्यंत अपने पद पर बना रहता है । अर्थात जब तक कि उसका विधानसभा में बहुमत है । लेकिन यदि मुख्यमंत्री विधानसभा में अपना बहुमत खो देता है तो उसे त्यागपत्र दे देना चाहिए अन्यथा राज्यपाल उसे बर्खास्त कर सकता है । मुख्यमंत्री अपना त्यागपत्र राज्यपाल को देता है । और मुख्यमंत्री का त्यागपत्र समस्त मंत्रिपरिषद् का त्यागपत्र माना जाता है ।
  अनुच्छेद 164 (2) - राज्य की मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होती है ।

मुख्यमंत्री के कार्य एवं शक्तियाँ

मंत्रिपरिषद् के संबंध में

- मुख्यमंत्री की सलाह से राज्यपाल द्वारा मंत्रियों की नियुक्ति की जाती है ।
- मुख्यमंत्री , मंत्रियों के मध्य विभागों का बंटवारा करता है और उनमें फेरबदल भी करता है । मतभेद होने पर वह किसी भी मंत्री को त्यागपत्र देने के लिए कह सकता है या राज्यपाल को उसे बर्खास्त करने का परामर्श दे सकता है।
- मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद् एवं मंत्रिमण्डल की बैठकों की अध्यक्षता करता है ।
  NOTE- मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में सबसे वरिष्ठ मंत्री मंत्रिमण्डल की अध्यक्षता करता है।
- वह सभी मंत्रियों को उनके कार्यों में परामर्श देता है तथा उनके कार्यों पर नियंत्रण भी रखता है ।
- मुख्यमंत्री , राज्यपाल और मंत्रिपरिषद् के बीच की कड़ी के रूप में कार्य करता है ।
  अनुच्छेद 164 (1) क - इस अनुच्छेद को 91 वें संविधान संशोधन 2003 द्वारा जोड़ा गया । इसमें राज्य मंत्रिपरिषद् का आकार निश्चित किया गया। राज्य मंत्रिपरिषद् में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम मंत्री उस राज्य की कुल विधानसभा सीटों का 15 % तथा मुख्यमंत्री सहित न्यूनतम मंत्री 12 होंगे ।

राज्यपाल के संदर्भ में

अनुच्छेद 167- इसमें मुख्यमंत्री के संवैधानिक कर्त्तव्यों का उल्लेख मिलता है ।

(i) वह मंत्रिपरिषद् द्वारा राज्य के प्रशासन से संबंधित मामलों के लिए सभी निर्णयों तथा विधायन के प्रस्तावों के बारे में राज्यपाल को सूचित करें।

(ii) राज्यपाल द्वारा राज्य के प्रशासन से संबंधित मामलों अथवा विधायन प्रस्तावों के बारे में माँगे जाने पर सूचना प्रदान करना।

(iii) यदि राज्यपाल चाहे तो मंत्रिपरिषद् के समक्ष किसी ऐसे मामले को विचारार्थ रखे जिस पर निर्णय तो किसी मंत्री द्वारा लिया जाना है लेकिन जिस पर मंत्रिपरिषद् विचार नहीं किया है ।

NOTE- राज्य की प्रमुख संवैधानिक संस्था जैसे:- राज्य के महाधिवक्ता (अनुच्छेद-165), राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों (अनुच्छेद 243 I-पंचायतीराज, अनुच्छेद 243 Y- नगर निकायों के लिए) तथा राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों (अनुच्छेद-316) राज्य निर्वाचन आयुक्त (अनुच्छेद 243 K-पंचायतीराज व अनुच्छेद 243 ZA- नगर निकायों के लिए) की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा मंत्रिपरिषद की सलाह (विशेषतया मुख्यमंत्री) की जाती है।

NOTE-राज्य के प्रमुख सांविधिक/ वैधानिक निकायों जैसे:- राजस्थान मानवाधिकार आयोग, राजस्थान सुचना आयोग के अध्यक्षों व सदस्यों तथा लोकायुक्त संस्था के अध्यक्ष की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश पर की जाती है जिसका अध्यक्ष मुख्यमंत्री होता।

NOTE-राजस्थान महिला आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राज्य सरकार (मुख्यमंत्री) द्वारा की जाती है।

राज्य विधानमण्डल के संबंध में

- मुख्यमंत्री , राज्यपाल को किसी भी समय विधानसभा विघटित करने की सिफारिश कर सकता है ।
- मुख्यमंत्री ही राज्य विधानसभा के पटल पर सरकार की नीतियों की घोषणा करता है ।
- मुख्यमंत्री , राज्यपाल को सत्राहूत व सत्रावसान के संबंध में सलाह देता है ।

मुख्यमंत्री के अन्य कार्य

- राज्य आयोजना बोर्ड के अध्यक्ष होते है ।
- अंतर्राज्यीय परिषद (अनुच्छेद 263) के सदस्य होते है।
- राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य होते है ।
- नीति आयोग के सदस्य होते है ।
- वह संबंधित क्षेत्रीय परिषदों के क्रमवार उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करते है तथा एक समय में इनका कार्यकाल1 वर्ष का होता है ।
- मुख्यमंत्री राज्य सरकार का मुख्य प्रवक्ता तथा आपातकाल के समय वह राजनीतिक स्तर पर मुख्य प्रबंधक होता है ।

उपमुख्यमंत्री

यह एक गैर - संवैधानिक पद है । यह एक परम्परा के तौर पर किसी राजनीतिक दल को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से सृजित किया जाता है ।

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

UP Police Constable 2024 - http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856WI8&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD – 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
MPPSC Prelims 2023	17 दिसम्बर	63 प्रश्न (100 में से)
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE

Our Selected Students

Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
	Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP
N.A	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	MONU S/O KAMTA PRASAD	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
	Govinda Jangir	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
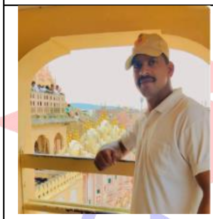	**Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel**	Rac batalian	729141135	Dis.-Bhilwara
N.A	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota
	Sanjay	Haryana PCS	96379 Admit Card HARYANA PUBLIC SERVICE COMMISSION	Jind (Haryana)

And many others……

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

WhatsApp करें - https://wa.link/b34h1p

Online Order करें - https://rb.gy/sx59yb

Call करें - 9887809083